स.शि.प./जुलाइ ९९/५

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा
सत्संग प्रवीण
प्रश्नपत्र – १

सुबह ९:०० से १२:००] (रविवार, १८ जुलाई, १९९९) **कुल अंक : १००**

सूचना : प्रश्न की दाहिनी तरफ उसके अंक दर्शाये गए हैं।

(विभाग – १ श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना)

प्र.१. निम्नलिखित किन्हीं भी दो विषयों के सन्दर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दिजिए। ६

१. सर्वोपरी – निष्ठा की आवश्यकता।
२. मोक्ष प्राप्ति के लिये प्रगट भगवान या प्रगट संत।
३. श्रीजीमहाराज – सर्व कर्ताहर्ता।
४. साकार स्वरूप में – महाराज की रुचि।

प्र.२. निम्नलिखित किन्हीं दो प्रसंगो का वर्णन कर सिद्धांत लिखिए। (बारह पंक्तियों में) ८

१. वडताल में अढारह गुद्डियों का भार।
२. ''काला पहन के भी स्वामी को अक्षर कहूँगा।''
३. पर्वतभाई को चौवीस अवतारों का दर्शन हुआ।
४. सत्संगिजीवन ग्रन्थ की रचना का प्रसंग।

प्र.३. निम्नलिखित किन्हीं दो विषयों पर विवरण लिखिए। (बारह पंक्तियों में) ८

१. श्रीजी महाराज सर्वोपरी – स्वामी की बातो के अनुसार।
२. गुणातीत संत की महिमा – परमहंस और परोक्ष कवियों के पदों में।
३. भगवान किस रीत से साकार ?
४. उपासना का अर्थ क्या है ?

प्र.४. निम्नांकित में से किन्हीं दो विषय में कारण लिखिए। (बारह पक्तियों मे) ८

१. भगवान को निराकार नहीं समझना चाहिए।
२. स्वामी ने तीसरा फूल अचिंत्यानन्द ब्रह्मचारी को दिया।
३. गुणातीतानन्द स्वामी को वस्त्र, अलंकार आदि अपर्ण कर सकते हैं।

४. महाराजने अन्त समय में, गुणातीतानंद स्वामी को, वापिस जूनागढ नहीं भेजा।

प्र.५. *उपासना में क्या नहीं समझना ?* ८

प्र.६. *शिक्षापत्री में ब्रह्मवेत्ता के ध्यान का निषेध है, तो क्या सतपुरुष का ध्यान हो सकता है।* ५

प्र.७. निम्नांकित किसी भी एक विषय पर टिप्पणी लीखिए। ५

१. श्रीजीमहाराज के अन्तर्धान होने के पश्चात्, उनकी प्रगटता किस प्रकार जानें ?
२. मोक्ष के मार्ग में अक्षरब्रह्म की आवश्यकता।
३. धाम में तथा पृथ्वी पर दोनों स्थानों में सदा साकार।

(विभाग – २ सत्संग वाचनमाला भाग- ३ तथा प्रेरणामूर्ति प्रमुखस्वामी महाराज)

प्र.८. निम्न लिखित में से किन्हीं दो के अवतरण, किसने, किस को तथा कब कहा है यह लिखिए। ६

१. ''मै तेरे अंतर की पीड़ा को मिटाउँगा।''
२. ''कणबी के लडके और मुर्गे कभी भूखे नहीं मरते।''
३. ''शिवा ! तेरा ध्यान तेरे ही पास रख।''
४. ''मेरी आज्ञा का तुम सबने पालन किया, वैसे ही अब इसकी आज्ञा में रहना।''

प्र.९. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के कारण लिखिए। (बारह पंकितयों में) ८

१. नित्यानंद स्वामी ने सोचा कि 'यह तो मुक्तानंद स्वामी ही सहन करें।'
२. निष्कुलानन्द स्वामी पोटली बाँध कर जाने के लिये तैयार हो गये।
३. रघुवीरजी महाराज की महिमा अरदेशरजी समझे।
४. प्रमुखस्वामी महाराज के कपडे गीले होने पर भी शास्त्रीजी महाराज ने उनसे गले मिलकर भेंट किया।

प्र.१०. निम्नांकित में से किन्हीं दो विषयों पर विस्तार से विवरण लिखिए। ८

१. शिवलाल का दृष्टि संयम।
२. गोपालानंद स्वामी का त्याग – वैराग्य।
३. मुक्तानंद स्वामी को सत्संग के प्रति लगाव।
४. बालकों के स्नेही – प्रमुखस्वामी महाराज।

प्र.११. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। **६**

१. *गुणातीतानंद स्वामी ने दरिया जैसा किसको कहा ?*

२. *मुक्तानंद स्वामी ने जो दो ग्रंथ स्त्रीयों के लिये बनाये हैं उनका नाम बतलाये ?*

३. *कुशलकुंवरबा ने महाराज से कौन सा प्रश्न पूछा था ?*

४. *खुले दिल से घी पिरसते हुए महाराज को देखकर पर्वतभाई ने क्या कहा ?*

५. *रधुवीरजी महाराज ने ब्रह्मचारी अचित्यानंद के पास से कौन से ग्रंथ की रचना कराई थी ?*

६. *प्रमुखस्वामी महाराज को पार्षद दीक्षा कहाँ, किसने और कब प्रदान की ?*

प्र.१२. निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> प्रसंग का वर्णन कर के संक्षेप में भावार्थ लिखिए।
(बारह पंक्तियों में) **४**

१. *कुशलकुंवरबा को प्रगट भगवान का योग।*

२. *निष्कुलानंद गढडा से गढाली चले गये।*

३. *पर्वतभाई की मानसी पूजा।*

(विभाग - ३ निबन्ध)

प्र.१३. निम्नांकित में से किसी <u>एक</u> विषय पर लगभग ६० पंक्तियों में निबन्ध लिखिए। **२०**

१. *सेवा - अंतर मन साफ करने का झाडु।*

२. *संस्कृति के आधार स्तम्भ है - मन्दिर, सन्त और शास्त्र।*

३. *घर सभा - सब दर्दों की एक ही दवा।*

* * *